

कार्यकारी सारांश**1.0 परिचय**

बिछिया लेटेराइट एवं फायर क्ले माइन के पट्टाधारक श्रीमति किरन भसीन है। खनन पट्टे का क्षेत्रफल 12.13 हेक्टेयर है। खनन पट्टा, गांव बिछिया तहसील-मुरवारा जिला कटनी राज्य- म0प्र0 में पड़ता है।

पर्यावरण और वन मंत्रालय, भारत सरकार की ईआईए अधिसूचना, दिनांकित 14 सितम्बर 2006 जिसे दिसम्बर 2009, और अप्रैल 2011 में संशोधित किया गया है, के अनुसार, परियोजना गतिविधि 1 ए, के तहत श्रेणी 'बी' में आती है। ईआईए अधिसूचना के तहत पत्र संख्या **163/PS-MS/MPPCB/SEAC/TOR (88)/2012** दिनांकित **18.04.2012**(Case no.660/2012) के द्वारा अनुमोदित टीओआर के अनुसार ड्राफ्ट ईआईए-ईएमपी को तैयार किया गया है।

लेटेराइट और फायर क्ले खान की खनन योजना नियम **22 MCDR 1960** के तहत भारतीय खान ब्यूरो के क्षेत्रीय नियंत्रक के कार्यालय से मंजूरी दे दी गई थी। पट्टा विलेख **MMDR** अधिनियम 1957 और नियम 22 के 1960 के प्रावधानों के तहत 28.07.2008 से 27.07.2028 तक दिया गया है। पट्टेदार ने 40,000 TPA लेटेराइट और फायर क्ले के उत्पादन करने का प्रस्ताव रखा है।

2.0 परियोजना का संक्षिप्त विवरण

खनन पट्टे का क्षेत्र गांव , गांव बिछिया तहसील-मुरवारा जिला कटनी राज्य- म0प्र0 में स्थित है। पट्टे का यह क्षेत्र भारतीय सर्वेक्षण की टोपोशीट नम्बर 64 ए/6 में आता है।

आक्षांश : 23° 44' 38.4" to 23° 44' 52.0" (N)

देशान्तर : 80° 27' 51.8" to 80° 28' 4.9" (E)

खसरा नम्बर	क्षेत्र (हेक्टेयर)
P409	12.13
Total	12.13

यह नवीन खान का मामला है। परियोजना की प्रस्तावित लागत 1 करोड़ रु0 है।

सर्पोजकता

पट्टे पर दिया हुआ क्षेत्र जिला मुख्यालय कटनी म0प्र0 से 12 कि. मी सड़क मार्ग से दक्षिण पूर्व में स्थित है। निकटतम रेलवे स्टेशन खदान साईट से 2.5 किमी0 उत्तर में है। खदान साईट पर कटनी जिले से छपरवाहा, गटाखेरा और केवलारी होते हुए पहुंचा जा सकता है।

2.1 परियोजना की सहज विशेषतायें

आवेदक का नाम	श्रीमति किरन भसीन
पट्टेदार का नाम और पता	श्रीमति किरन भसीन , पत्नी श्री मोहन भसीन, शिव धाम स्टेशन रोड, पीनकोड – 483501 जिला कटनी (म0 प्र0) माबाईल – 097551301535.
खान का नाम	बिछिया लेटेराइट एवं फायर क्ले माइन (12.13 हेक्टेयर)
गांव	बिछिया
तालुका	मुरवारा
जिला और राज्य	कटनी, एम0 पी0
आक्षांश	23° 44' 38.4" to 23° 44' 52.0" (N)
देशान्तर	80° 27' 51.8" to 80° 28' 4.9" (E)
टोपोशीट संख्या	64 ए/6
खनिज	लेटेराइट एवं फायर क्ले
क्षेत्रफल हेक्टेयर में	12.13 हेक्टेयर
पोस्टल पता	श्रीमति किरन भसीन , पत्नी श्री मोहन भसीन, शिव धाम स्टेशन रोड, पीनकोड – 483501 जिला कटनी (म0 प्र0) माबाईल – 097551301535.
लीज़ की अवधि वर्ष में	20 वर्ष
खदान की स्थिति	नवीन

2.2 परियोजना की मूल आवश्यकताएं

क्रम संख्या	आवश्यकताएं	मात्रा	स्रोत
1	भूमि	12.13 हेक्टेयर	नवीन खान
2	पानी	12 KLD	आसपास के गांवों से
3	मेनपॉवर	50	मुख्य रूप से आस पास के गांवों से

2.3 खनन पद्धति का विवरण

खनन की विधि	खुली खदान आंशिक यांत्रिकीकृत
बेंच की उंचाई और चौड़ाई	उंचाई: 5 मीटर चौड़ाई: 5 मीटर
खनन योग्य भण्डार	11,66,842 टन
खनन क्षेत्रफल	12.13 हेक्टेयर
खान का जीवनकाल	30 वर्ष
भूजल की गहराई	5 मीटर जमीनी स्तर से (कोई प्रतिछेदन नहीं)

2.4 ड्रिलिंग और ब्लास्टिंग

ड्रिलिंग

32 मिमी0 व्यास छेद की ड्रिलिंग प्रस्तावित किया गया है। 1.5 मी0 बोझ होगा तथा कठोर लेटेराइट को 32 मिमी0 के जैक हैमर से ड्रिल किया जायेगा। कोई गहरा छेद ड्रिलिंग और बड़े व्यास के ब्लास्टिंग बाहर किया गया था और इसलिए कोई जमीन कंपन महसूस नहीं किया जायेगा।

ब्लास्टिंग

ब्लास्टिंग मुख्यतः सुरक्षा फ्युज एव साधारण डेटोनेटर के मदद से की जाती है। जहाँ भी जरूरत होगी वहां छिद्र किया जायेगा। नियंत्रित ब्लास्टिंग की जायेगी।

2.5 खनिज का उपयोग

लेटेराइट का सीमेंट ग्रेड का है। लेटेराइट का उपयोग सीमेंट इन्डस्ट्री एडेटीव के रूप में किया जाता है। फायर क्ले गर्मी प्रतिरोधी क्ले आइटम जैसे कि क्रुसीबल के रूप में होता है। फायर क्ले का उपयोग अग्नि इष्टिका बनाने किया जाता है।

लेटेराइट बहुत आसानी से एक बाजार के लिए उपयुक्त क्लिंकर उत्पादन एडीटीव के रूप में इस्तेमाल के लिए सीमेंट उद्योग द्वारा स्वीकार किए जाते हैं। फायर क्ले एक प्रकार का क्ले है जो धातु निर्माण में इस्तेमाल किया क्रुसीबल के रूप में गर्मी प्रतिरोधी क्ले आइटम, के उत्पादन में प्रयोग किया जाता है। फायर क्ले का मुख्य उपयोग फायरब्रीक और क्रुसीबल, सागेरस और कांच के बर्तन के रूप में विभिन्न गौण बर्तन, मेटलवर्किंग उद्योगों में इस्तेमाल के निर्माण में है। लेटेराइट के औद्योगिक उपयोग के सीमेंट उद्योग में है। यह क्लिंकरिजेसन तापमान का कम करने और सप्लीमेंट फिटकिरी और लोहा सीमेंट के निर्माण में आवश्यक सामग्री के लिए एक एडीटीव के रूप में प्रयोग किया जाता है।

2.6 भूमि उपयोग का प्रतिरूप

क्रम संख्या	विशेष	वर्तमान में भूमि के उपयोग का प्रतिरूप (हेक्टेयर)	पांचवें साल के अन्त में (हेक्टेयर)	अवधारणात्मक भूमि उपयोग प्रतिरूप (हेक्टेयर)
1	कुल खुदाई क्षेत्रफल(टुट)	0.12	1.864	11.065
2	क्षेत्र पूरी तरह से खनन(पूरे क्षेत्रफल का)	--	1.50	(11.065)
3	रिक्लेम द्वारा पुर्नवास क्षेत्र	--	--	(11.065)
4	वनीकरण द्वारा पुर्नवास क्षेत्र	--	--	11.065
5	डम्प का कुल क्षेत्र	0.10	0.3744	-
7	सक्रिय डम्प का क्षेत्र	-	0.3744	-
8	खनिज ढेर क्षेत्र के अंतर्गत	-	-	-
9	सड़क क्षेत्र के अंतर्गत	-	0.10	--
	सुरक्षात्मक बंड और नाली		0.47	
10	हरित पट्टी क्षेत्र के अंतर्गत	--	0.375	1.065
11	डंप क्षेत्र में वृक्षारोपण	-	-	-
12	बुनियादी ढांचे के अधीन क्षेत्र	--	0.10	--
	अनउपयोगी क्षेत्र	11.83	6.97	-

कुल	12.13	12.13	12.13
-----	-------	-------	-------

3.0 पर्यावरणी स्थिति

आधाररेखा पर्यावरणी गुणवत्ता का परीक्षण मार्च 2012 – मई 2012 तक मानसून के पहले मौसम के दौरान खान के चारों ओर 10 किलोमीटर की त्रिज्या में किया गया।

3.1 मौसम विज्ञान

परीक्षण की अवधि अर्थात् मार्च 2012 – मई 2012 के लिए मौसम विज्ञान के आंकड़ों को संक्षेप में नीचे दिया गया है:

माह	वायु की गति किलोमीटर प्रति घण्टा में		तापमान (°C)			वर्षा मिलीमीटर में	
	अधिकतम	औसत	अधिकतम	न्यूनतम	औसत	कुल	वर्षा के दिनों की संख्या
मार्च 2012	15	2	38	9	25	2	1
अप्रैल 2012	22	3	40	21	31	0	0
मई 2012	172	3	45	21	34	0.6	2

3.2 व्यापक वायु गुणवत्ता

वातावरणी वायु की गुणवत्ता के स्तर का मूल्यांकन करने के लिए, 5 नियन्त्रण स्टेशनों की स्थापना की गयी और कोर क्षेत्र में एक निगरानी अवधि के दौरान बफर जोन में पाँच सहित क्षेत्र में स्थापित किए गए थे। PM_{2.5} का पाया गया मान 30.3 से 45.3 $\mu\text{g}/\text{m}^3$ और 98 प्रतिशतक 39.5 से 44.5 $\mu\text{g}/\text{m}^3$ के बीच है। PM₁₀ का

पाया गया मान 64.2 से 84.9 $\mu\text{g}/\text{m}^3$ और 98 प्रतिशतक 74 से 83.9 $\mu\text{g}/\text{m}^3$ के बीच है। **SO₂** का पाया गया मान 5.5 से 9.2 $\mu\text{g}/\text{m}^3$ और 98 प्रतिशतक 7 से 8.9 $\mu\text{g}/\text{m}^3$ के बीच है। **NO_x** का पाया गया मान 11.3 से 21.2 $\mu\text{g}/\text{m}^3$ और 98 प्रतिशतक 15.9 से 20.5 $\mu\text{g}/\text{m}^3$ के बीच है।

3.3 शोर के स्तर

परियोजना की खनन क्षेत्र पर 5 नमूने के स्थानों का चयन किया गया। यह देखा जा सकता है कि रात के समय Leq (Ln) में 38.7 से 43.8 डेसिबल, ए के बीच है और दिन के समय Leq (Ld) 47.3 से 57.3 डेसिबल ए के बीच है।

3.4 जल की गुणवत्ता

जल की गुणवत्ता के मूल्यांकन के लिए, 4 नियन्त्रण स्टेशनों की स्थापना की गयी जिनमें से 2 भूमिगत जल के लिए तथा 2 सतही जल के लिए थे। भूमिगत जल के विश्लेषण किये गये सभी नमूनों को पीने के लिए उपयुक्त पाया गया, साथ ही पेय जल के वैकल्पिक स्रोत भी मौजूद नहीं हैं। सतही जल की गुणवत्ता के लिए, केन्द्रीय प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड के द्वारा प्रकाशित 'सतही जल का उपयोग आधारित वर्गीकरण' के साथ pH, DO, BOD और कुल कोलिफॉर्म के मानों की तुलना की गयी; यह देखा जा सकता है कि विश्लेषित किये गये सतही जल के सभी नमूनों की तुलना वर्ग सी से की जा सकती है और इसे पारम्परिक उपचार और निःसंक्रमण के बाद पीने के लिए काम में लिया जा सकता है।

3.5 मृदा की विशेषतायें

मृदा के नमूनों का संग्रहण मई 2012 में किया गया। मृदा के नमूनों को 5 स्थानों से एकत्रित किया गया। अध्ययन क्षेत्र में मृदा के पीएच में भिन्नता क्षारीय (7.12 to 8.04) पायी गयी। विद्युतीय सुचालकता मृदा में घुलित लवणों और आयनिक गतिविधी का माप है। एकत्रित किये गये मृदा के नमूनों में चालकता की रेंज 301-523 $\mu\text{mhos}/\text{cm}$ थी।

3.6 सामाजिक आर्थिक परिदृश्य

2001 की जनगणना के अनुसार, अध्ययन के क्षेत्र की कुल जनसंख्या 32388 है, जिनमें से 18 प्रतिशत 0-6 आयु समूह के अंतर्गत आता है। कुल जनसंख्या का 51.21 प्रतिशत पुरुष हैं और शेष 48.79 प्रतिशत महिला हैं। यह 2.42 प्रतिशत की लिंग अंतर पैदा करता है और लिंग अनुपात प्रति 1000 पुरुषों पर 953 महिलाओं के लिए बाहर काम करता है। यह प्रति 1000 पुरुषों पर 933 महिलाओं के राष्ट्रीय औसत की तुलना में बहुत अधिक है। चूंकि कोई कस्बा/शहर अध्ययन के क्षेत्र में नहीं है, पूरी आबादी ग्रामीण क्षेत्र के अंतर्गत आता है। फिर, कुल आबादी 11.13 प्रतिशत अनुसूचित जाति हैं और 32.51 प्रतिशत जनजाति है।

3.7 जैविक वातावरण

वनस्पति

कोर ज़ोन:- जैविक विविधता कोर ज़ोन में मुख्य: *Butea monosperma*, *Madhuca indica*, and *Mangnifera indica*. वनस्पतियां देखी गईं।

बफर ज़ोन- बफर ज़ोन में आम (*Mangnifera indica*), महुआ (*Madhuca latifolia*), प्लास (*Butea monosperma*) आदि प्रजातियां कृषि योग्य भूमि की किनारों पर पाई जाती हैं।

कृषि भूमि

इस क्षेत्र की कृषि अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से वर्षा पर निर्भर है। इस क्षेत्र की मुख्य फसलें चावल, गेहूँ, सोयाबीन, हैं। रबी मौसम में मिर्ची, आलू, बैंगन, फूलगाभी, बन्दगोभी इत्यादि हैं।

मानव आबादी में और इसके आस पास वनस्पति

गांवों के आस पास उगी आम प्रजातियों में *Mangifera indica*, *Madhuca indica*, *Syzigium cumini*, *Azadirachta indica* आदि शामिल हैं।

जन्तु

कोर ज़ोन: प्रस्तावित परियोजना क्षेत्र में जन्तुओं के अध्ययन के दौरान कोई वन्य प्रजाति या जन्तुओं की गतिविधियां दर्ज नहीं की गयीं।

बफर ज़ोन: फील्ड सर्वेक्षण के दौरान बफर ज़ोन में कई घरेलू स्तनपायी प्रजातियां दर्ज की गयीं हैं। चरने वाले जानवरों जैसे भैंस, गाय, बकरी आदि को खुले घास के मैदानों में देखा गया है। इस क्षेत्र के पास कोई भी

वन्यजीव अभयारण्य या कोरीडोर नहीं हैं।

गांव के लोगों एव उपलब्ध प्रकाशित साहित्य से प्राप्त जानकारी के आधार पर अध्ययन क्षेत्र में जन्तुओं की सूची तैयार की गयी है।

4.0 प्रत्याशित पर्यावरणीय प्रभाव

4.1 वायु पर प्रभाव—भिन्न खनन गतिविधियों जैसे ड्रिलिंग, ब्लास्टिंग, लोडिंग, अतिरिक्त पदार्थों को हटाने और वाहनों की स्थानान्तरण गतियों से धूल उत्पन्न होगी। खनन की खनन क्षेत्र पर उपयुक्त तरीके से पानी का छिड़काव किया जायेगा। लवणों का स्थानान्तरण ट्रकों /टिप्परों के द्वारा सड़क के माध्यम से किया जायेगा, ताकि हवा के द्वारा धूल के उत्सर्जन को कम किया जा सके।

4.2 जलीय वातावरण पर प्रभाव

4.2.1 सतही जल निकायों पर प्रभाव— क्षेत्र पुरी तरह से लेटेरीटीक मिट्टी से ढका हुआ है। पानी का निकास मुख्यतः मौसमी नालो द्वारा होता है। जो कि मुख्यतः उत्तरी और दक्षिणी किनारो पे पाई जाती है।

4.2.2 भूजल स्तर पर प्रभाव— पानी का मुख्य श्रोत हैन्ड पम्प और कुँए है। जो कि बफर जोन से 1कि मी दूरी पे स्थित है। खनन की गतिविधि भुजल के गहराई के नीचे नहीं की जायेगी इसलिए लीज़होल्ड क्षेत्र में खनन गतिविधि का भूजल पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

4.3 शोर का प्रभाव

गांव पर शोर का प्रभाव नगण्य है क्योंकि गांव खान से काफी दूर है। व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण खदान मे काम करने वाले मजदूरों को प्रदान किया जाएगा। साइलेंसर भी शोर के प्रभाव को कम करने उपलब्ध कराया जाएगा।

4.4 भू वातावरण पर प्रभाव

खुली खदान गतिविधी लीज क्षेत्र के परिदृश्य को बदल सकती है और इससे आस पास के क्षेत्र में कुछ बाधा भी उत्पन्न हो सकती है। लेकिन यह बदलाव पर्यावरण के लिए लाभदायक होगा। 1.065 हैक्टेयर को हरित पट्टी के रूप में बदल दिया जाएगा जिसमें 2000 पौधे को प्रति हैक्टेयर उगाया जाएगा।

4.5 जैव विविधता पर प्रभाव— पूरे अध्ययन क्षेत्र के आस पर कोई ऐसी प्रजाति नहीं है जिसके विलुप्त होने का खतरा हो, ना ही यहां कोई वन्य जीवन अभ्यारण्य, वन्यजीवन कोरिडोर, जन्तुओं के अप्रवास का मार्ग या पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र है।

4.6 सामाजिक आर्थिक पर्यावरण

क्षेत्र में सामाजिक आर्थिक पर्यावरण पर खनन गतिविधी का प्रभाव सकारात्मक है। बिछिया लेटेराइट एवं फायर क्ले माइन क्षेत्र खान स्थानीय आबादी को रोजगार उपलब्ध कराएगी। इसमें स्थानीय लोगों को ही प्राथमिकता दी जायेगी जब कभी और अधिक श्रम शक्ति की आवश्यकता होगी।

5.0 परियोजना के बाद नियन्त्रण कार्यक्रम

क्रम संख्या	विवरण	नियन्त्रण की बारम्बारता
1	पर्यावरणी वायु की गुणवत्ता	त्रैमासिक / अर्द्ध वार्षिक
2	मौसम विज्ञान के आंकड़ें	दैनिक
3	शोर के स्तर का नियन्त्रण	अर्द्ध वार्षिक
4	जल का स्तर और गुणवत्ता	त्रैमासिक / अर्द्ध वार्षिक
5	मिट्टी की गुणवत्ता	वार्षिक
6	कृषि फसलों का नियन्त्रण	वार्षिक

6.0 अतिरिक्त अध्ययन

अतिरिक्त अध्ययन जो किये गये हैं, वे हैं जोखिम मूल्यांकन और क्षति नियन्त्रण और आपदा प्रबन्धन योजना।

7.0 परियोजना से लाभ

यह परियोजना लोगों के लिए फायदेमन्द साबित होगी क्योंकि कम्पनी ने पहली से ही गांव वालों को बुनियादी संरचनाओं की सुविधाएं जैसे शिक्षा की सुविधाएं, चिकित्सा की सुविधाएं, स्थानान्तरण की सुविधाएं और जल आपूर्ति आदि उपलब्ध कराने के लिए सहमति जतायी है। जिससे इस क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक वातावरण में सुधार होगा।

8.0 पर्यावरणी प्रबन्धन योजना

8.1 वायु प्रबन्धन

खनन गतिविधि के दौरान वायु प्रदूषण को नियन्त्रित करने के लिए निम्नलिखित उपाय किये जायेंगे:

- हॉल सड़कों पर पानी का उचित छिड़काव
- लीज़ क्षेत्र में उचित हॉल सड़कों का निर्माण
- हॉल सड़क, खान की कार्यालय के पास धूल को नियन्त्रित करने के लिए खान की सीमा के किनारे हरित पट्टी / पौधों का विकास
- धूल के क्षेत्रों में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए धूल के मास्क उपलब्ध कराने का प्रावधान

8.2 जल प्रबन्धन

खनन की प्रक्रिया में व्यर्थ जल का उत्पादन नहीं होगा। खान के कार्यालय में सेनीटरी व्यर्थ का उपचार एक सेप्टिक टैंक में सोक पिट के माध्यम से किया जायेगा। प्रस्तावित खनन क्षेत्र में सतही जल के प्रदूषण का सम्भव कारण मृदा अपरदन हो सकता है। मानसून अवधि में लवणों का रिसाव भी इसका कारण हो सकता है। मानसून के मौसम में पानी प्राकृतिक जल मार्गों से होकर बहता है। वर्षा के मौसम में खानों में प्रवेश करने वाले सतही जल के मार्ग को प्राकृतिक नाले की तरफ मोड़ दिया जायेगा ताकि मृदा अपरदन को कम किया जा सके। जमाव में कोई विषैले पदार्थ नहीं पाये गये हैं, अगर खान से कोई रिसाव भी होता है तो इससे जैविक

पर्यावरण को कोई नुकसान नहीं होगा। जलीय नियन्त्रण के उपाय किये जायेंगे ताकि मृदा अपरदन को कम किया जा सके और साथ ही खान में पानी के अनियन्त्रित प्रवाह को भी कम किया जा सके।

8.3 शोर का प्रबन्धन

- सभी प्रकार की सावधानियां बरती जायेंगी और नियमित समय अन्तराल पर शोर के स्तर का सर्वेक्षण किया जायेगा।
- मशीनों और अधिक शोर के स्तर में काम करने वाले कर्मचारियों को ईयर प्लग दिये जायेंगे।
- ड्रिलिंग उपकरणों और अन्य भारी मशीनरी के आस पास शोर के स्तर के नियमित मापन का प्रावधान है। तथा सभी उपकरणों के सुधार के लिए उचित प्रयास किये जायेंगे ताकि शोर का स्तर निर्धारित सीमा के भीतर ही बना रहे।
- आन्तरिक सड़कों पर पेड़ लगायें जायेंगे।

8.4 भूमि में सुधार

खनित क्षेत्र में भूमि का सुधार सबसे महत्वपूर्ण गतिविधि है। खनन क्रिया के परिणामस्वरूप मूल भूमि प्रोफाईल में परिवर्तन किया जायेगा। खनित भूमि के चारों ओर फेन्सिंग की जायेगी। वैचारिक अवधि के अन्त तक 11.065 हेक्टेयर खनन क्षेत्र को फिर से भर दिया जायेगा तथा वृक्षारोपण किया जायेगा। बेरियर जोन के 1.065 हेक्टेयर पर हरित पट्टी का विकास किया जायेगा।

8.5 हरित पट्टी / पौधे लगाना

जहां तक पौधे लगाने का सवाल है, एम एल क्षेत्र की सीमाओं पर 11.065 हेक्टेयर क्षेत्रफल को बैकफिल किया जायेगा और इसे पौधे उगाकर स्थिरीकृत किया जायेगा। तथा 1.065 हेक्टेयर क्षेत्र में हरित पट्टी का विकास किया जाएगा।

उपलब्धता के अनुसार स्थानीय प्रजातियों को क्षेत्र में उगाया जायेगा।

8.6 पर्यावरणी संरक्षण के लिए बजट

क्रम संख्या	विवरण	पूंजी लागत रु में	आवर्ती लागत रु में
1	प्रदूषण रोकथाम		
ए	धूल दमन	8,00,000	2,00,000
बी	गली प्लग, रोक बाध सेटलिंग टैंक	1,00,000	50,000
सी	प्रदूषण निगरानी	-	1,00,000
2	सुधार और पुनर्वास		
ए	हरित पट्टी और पेड़ लगाना	50,000	2,00,000
बी	अन्य	6,00,000	1,50,000
	कुल	15,50,000	7,00,000

8.7 निष्कर्ष

ईआईए अध्ययन के आधार पर पाया गया है कि धूल प्रदूषण में वृद्धि होगी, जिसे पानी के छिड़काव और पेड़ लगाकर नियन्त्रित किया जाएगा। पर्यावरण पर खास प्रभाव नहीं पड़ेगा। खनन गतिविधियों के कारण पारिस्थितिकी पर भी खास प्रभाव नहीं पड़ेगा। इसके बजाय खनन की गतिविधियों से क्षेत्र के लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त होगा। क्षेत्र के आस पास हरित पट्टी का विकास किया जाएगा ताकि लेटेराइट एवं फायर क्ले खान के परिसर से उत्पन्न होने वाले प्रदूषकों के कारण उत्पन्न प्रदूषण को कम किया जा सके।

जब तक खनन की गतिविधियां चालू रहती हैं, तक तक नियन्त्रण कार्यक्रम को जारी रखा जाएगा। पर्यावरणी गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए लगभग 15.5 लाख रु पूंजी लागत और 7 लाख रु आवर्ती लागत की प्रस्तावना दी गयी है। इसलिए, संक्षेप में कहा जा सकता है कि खान के विकास से आस पास के क्षेत्र की सामाजिक-आर्थिक अवस्था पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा तथा इससे क्षेत्र का स्थायी विकास होगा।

लेटेराइट एवं फायर क्ले खनन गतिविधी न केवल राज्य सरकार के खजाने के लिए आय का कारण बनेगी बल्कि इससे मध्य प्रदेश राज्य में लेटेराइट एवं फायर क्ले खनन का भी स्वस्थ विकास सुनिश्चित हो जाएगा। प्रस्तावित खनन परियोजना के कार्यान्वयन से क्षेत्र के लोगों के व्यवसायिक प्रतिरूप में बदलाव आएगा, अब ज्यादा लोग कृषि के बजाय औद्योगिक एवं व्यवसायिक गतिविधियों में संलग्न हो जाएंगे

अध्ययन क्षेत्र में आज भी शिक्षा, स्वास्थ्य, घर, पानी, बिजली आदि की सुविधाओं का अभाव है उम्मीद की जा रही है कि प्रस्तावित खनन परियोजना के कारण इन सभी में पर्याप्त सुधार होगा तथा सम्बन्धित औद्योगिक एवं व्यवसायिक गतिविधियां भी बेहतर हो जाएंगी। कोरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पर व्यय एवं प्रस्तावित गतिविधियां सरकार के सीएसआर जनादेश के अनुरूप होंगी।
